>

Title : Need to control the spread of the fatal Japanese Encephalitis disease in Uttar Pradesh.

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज): सभापति महोदय, मैं आपको धन्यवाद दूंगा कि आपने मुझे शून्य प्रहर में एक अत्यन्त महत्वपूर्ण विषय के प्रश्न को पूरे सम्मानित सदन के समक्ष उठाने का अवसर दिया है। पिछले दिनों भारत में स्वाइन फ्लू से लगभग सौ मौतें हुयीं। जिस पर केंद्र सरकार ने त्वरित कार्रवाई की। सभी हवाई अड्डों पर, रेलवे स्टेशन पर प्रमुख डाक्टरों की टीम बैठायी गयी। देश की राजधानी दिल्ली में कई हास्पिटल्स को चिन्हित किया गया कि अगर स्वाइन फ्लू का कोई भी लक्षित मरीज है, तो उसका इलाज किया जाए। आज दुर्भाग्य की बात है कि उत्तर प्रदेश में, पूर्वी उत्तर प्रदेश के गोरखपुर मेडिकल कालेज में कल तक 482 बच्चे पिछले दो महीने में मर चुके थे। आज जब मैंने फोन से मालूम किया, तो अब तक 486 बच्चे मर चुके हैं, जिनका पूरा भविष्य था, जिनके कंधों पर देश का भविष्य था। वे जापानी इंसेफ्लाइटिस से या मस्तिष्क ज्वर से ग्रसित हुए। राज्य सरकार की उदासीनता इस बात की द्योतक है कि न तो उसके प्रिवेन्शन के लिए वैक्सीन उपलब्ध करायी जा रही है और न ही उन अस्पतालों में उनके उपचार की व्यवस्था हो रही है। पूरे उत्तर प्रदेश में, कोई एक जिले में ही नहीं, गोरखपुर, सिद्धार्थनगर, बस्ती, संत कबीर नगर, बलरामपुर, बहराइच, श्रावस्ती, गोंडा, देवरिया, कुशीनगर आदि जनपदों में इसने महामारी का रूप ले लिया है।

निश्चित तौर पर मैं अपेक्षा करूंगा कि अगर राज्य सरकार उस पर कोई कार्रवाई नहीं कर रही है, तो केंद्र सरकार इस ओर ध्यान दे। केंद्र सरकार ने एनआरएचएम के तहत जो साढ़े चार सौ करोड़ रूपए दिए हैं, उसकी भी बंदरबांट राज्य सरकार कर रही है। नेशनल रूरल हेल्थ मिशन के साढ़े चार सौ करोड़ रूपए का नहीं हो रहा है। इस बात के लिए प्रयास हो रहा है कि उसको स्वास्थ्य मंत्रालय से खनिज मंत्रालय ...(व्यवधान) मैं बहुत जिम्मेदारी की बात कह रहा हूं। केंद्र सरकार ने साढ़े चार सौ करोड़ रूपए स्वास्थ्य मंत्रालय को दिए हैं और उत्तर प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्रालय से वह पैसा लेकर खनिज मंत्रालय को दे दिया गया है। उस पैसे का खनिज मंत्रालय कितना दुरूपयोग कर रहा है ...(व्यवधान)

सभापति महोदय : थैंक यू।

श्री जगदम्बिका पाल : थैंक यू नहीं, 486 बच्चे मर गए हैं, इस पर धन्यवाद का प्रश्न नहीं है। मैं कहना चाहता हूं कि हमारे यहां मस्तिष्क ज्वर या जापानी इंसेफ्लाइटिस महामारी का रूप ले चुका है, लेकिन इसके लिए उत्तर प्रदेश सरकार कोई काम नहीं कर रही है। केंद्र सरकार निर्देशत करे, स्वास्थ्य मंत्रालय राज्य सरकार को, इस पर कंट्रोल रूम खोलें। वैक्सीन की जितनी उपलब्धता की बात हो, तो केंद्र सरकार उपलब्ध करा दे।

निश्चित तौर पर राज्य सरकार जो केन्द्र द्वारा दिए गए पैसे का भी दुरुपयोग कर रही है, उसकी जांच करवा ली जाए। मैं चाहता हूं कि इस पर कार्यवाई की जाए।

MR. CHAIRMAN : Hon. Members, the time allotted for this matter is over. There are eight more hon. Members to speak. If the hon. Members agree we may extend the time of the House till this item of work is completed.

SEVERAL HON. MEMBERS : Yes.